छठे पुण्य स्मृति दिवस पर

ओमशान्ति मीडिया

वर्ष - 28 | अगस्त - 2026 | अंक - 08 | माउंट आबू | Rs.- 20

लाल किला मैदान में दिखा...

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान एवं भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सौजन्य से हुआ आयोजन

योगा और भारत का प्राचीन राजयोग का अनुपम संगम

20 हज़ार लोगों ने की योग साधना

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान एवं भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक लाल किला मैदान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस आयोजन में 20,000 से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर योग साधना की और एक स्वस्थ, तनाव मुक्त एवं आध्यात्मिक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

नई दिल्ली-लाल किला। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय,भारत सरकार के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. महेश कुमार दाधीच ने योग के व्यावहारिक पक्ष पर जोर देते हुए कहा, "योग मात्र शारीरिक व्यायाम नहीं, अपितु एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। युक्तियुक्त आहार, उचित व्यवहार, पर्याप्त नींद और कर्म में कुशलता ही एक सच्चे योगी के लक्षण हैं।" भारतीय विदेश सेवा के पूर्व राजनयिक डॉ. दीपक वोहरा ने योग को आत्म सुधार और आंतरिक उन्नति का सबसे सशक्त मार्ग बताया।

राजयोग और विशेष सामाजिक पहल:

ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने ईश्वरीय महावाक्यों से उपस्थित जनसमूह को प्रेरित किया। वहीं, दिल्ली करोल बाग सेवाकेन्द्र की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी सहित दिल्ली क्षेत्र की वरिष्ठ राजयोगिनी शिक्षिकाओं ने विशेष रूप से राजयोग का अभ्यास कराकर विश्वभर में शांति के प्रकम्पन फैलाए। लाल किले के मध्य ऐसे गहन शांति के प्रकम्पन से एक अलौकिक व शांतिमय वातावरण बन गया।

कार्यक्रम के दौरान "गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन" विषय पर एक विशेष प्रतिज्ञा भी सम्पन्न हुई। यह महत्वपूर्ण पहल पूरे भारत में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से संचालित की जा रही है।

यह भव्य आयोजन योग की प्राचीन भारतीय परंपरा और राजयोग की दिव्य शक्ति का एक अनुपम संगम सिद्ध हुआ, जिसने जनमानस को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का संदेश दिया।

मुख्य झलकियां

सांस्कृतिक प्रस्तुति: सुप्रसिद्ध गायक हरीश मोयल, ब्र.कु. चाँद और ब्र.कु. हंसी ने योग-गीतों की मधुर प्रस्तुति से पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा और उत्साह से भर दिया।

योगाभ्यास: ब्र.कु. ब्रज भूषण ने योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत विभिन्न मुद्राओं और आसनों का सजीव प्रदर्शन और अभ्यास कराया।

गणमान्य उपस्थिति: कार्यक्रम में चांदनी चौक के लोकसभा सांसद श्री प्रवीण खंडेलवाल, एन.एम.पी.बी. के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अब्दुल कयूम, राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी एवं जापान की वरिष्ठ पत्रकार लेना बोंडारेंको सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

योग - एक सम्पूर्ण जीवनशैली

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मंच पर विराजमान 108 ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा उपस्थित जनसमूह को योग का मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री माननीय प्रवेश वर्मा ने अपने संबोधन में कहा, "योग हमें आत्मा की यात्रा का गहन बोध कराता है और शांति मूल मंत्र से स्वयं की पहचान कराता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के साथ उनका दशकों पुराना आत्मीय संबंध है।"